INDIA भारत

इस मानचित्र का नाम निर्देश इस प्रकार है :- 1:750,000

राज्य मानचित्र बिहार प्रथम संस्करण

राज्य मानचित्र

बिहार
BIHĀR

SCALE 1:750,000

भारतीय सर्वेक्षण विभाग | SURVEY OF INDIA

प्रथम संस्करण, 2026.

पैमाना 1:750,000

1 सेन्टीमीटर = 7.5 किलोमीटर

किलोमीटर 7.5 0 7.5 15 22.5 30 37.5 किलोमीटर

उपर्युक्त बीट्स में हैं:
राज्य और जिलों के मुख्यालय को, मानचित्र के मुख्य भाग में सीमाओं में दर्शाया गया है।
केन्द्र जिलों के प्रशासनिक मुख्यालय मध्यभाग में हैं। और शहर क्षेत्र उपलब्ध पटल में हैं।

बिहार

बौद्धों के निवास को संस्कृत में विहार कहते हैं, और इसी विहार शब्द से बिहार बना है। यहीं पर बौद्ध धर्म का जन्म हुआ और फिर पूरी दुनिया में इसका विस्तार हुआ। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय बिहार में व्यतीत किये एवं उन्हें ज्ञान की प्राप्ति भी बिहार के बोध गया में ही हुई। इस प्राचीन भूमि जैन तीर्थंकरों द्वारा भी पवित्र किया गया है। इनमें से छः (6) जैन तीर्थंकरों का जन्म और बाईस (22) तीर्थंकरों का निर्वाण भी यहीं पर हुआ। भगवान महावीर जो कि जैन धर्म के संस्थापक थे, उनका भी जन्म यहीं पर हुआ उन्होंने यहीं पर अपने जीवन के 42 महत्वपूर्ण साल गुजारे थे। श्री गुरु गोविन्द सिंह, जो सिखों के 10 वें और अंतिम गुरु थे, उनका जन्म भी पटना में ही हुआ था। यह पवित्र भूमि महत्वपूर्ण हिन्दू, जैन, मुस्लिम और सिख धर्म गुरुओं से विभूषित रही है। प्राचीन काल से ही यह राज्य शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बिन्दु रहा है। बिहार में ही दुनिया का पहला विश्वविद्यालय -नालंदा विश्वविद्यालय, नालंदा में अवस्थित था, जिसमें पठन-पाठन का स्तर विश्व स्तरीय था। विश्व के मुख्यतः तत्कालीन विद्वानों का जुड़ाव भी इस विश्वविद्यालय से था।

इस राज्य का इतिहास बहुत ही प्राचीन, गौरवपूर्ण एवं गरिमामय रहा है। भारत के कुछ महान शासकों के साम्राज्यों, जो ईसा पूर्व से कायम थे, का उदय और अवसान यहीं पर हुआ। अनेक महान शासकों, जिन्होंने यहाँ से शासन किया, में से कुछ के नाम जैसे - बिम्बिसार, अजातशत्रु, उदयन (पाटलिपुत्र का संस्थापक), चन्द्रगुप्त और अशोक हैं। इनके अलावा कुछ महान साम्राज्यों, जैसे - नंद वंश, महान मौर्य वंश, कण्व वंश एवं गुप्त राजवंश का शासन यहीं से पूरे देश में चलाया गया।

मध्यकालीन युग के दौरान, बिहार कई मुस्लिम वंशों के शासन में आया, जिसमें दिल्ली सल्तनत और बाद में मुगल साम्राज्य शामिल थे। मुगल सत्ता के पतन के बाद, विशेष रूप से बक्सर की लड़ाई के बाद, यह क्षेत्र धीरे-धीरे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण में आ गया।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, बिहार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजेन्द्र प्रसाद और जय प्रकाश नारायण जैसे नेता इस क्षेत्र से उभरे। भारतीय स्वतंत्रता के बाद, बिहार स्वतंत्र भारत का एक राज्य बन गया। 2000 में, बिहार का दक्षिणी भाग झारखंड के रूप में अलग कर दिया गया। आज, बिहार सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रूप से समृद्ध बना हुआ है, जो अपने प्राचीन विरासत, धार्मिक महत्व और भारतीय सभ्यता में योगदान के लिए जाना जाता है।

बिहार के उत्तर में नेपाल, पूर्व में पश्चिमी बंगाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश और दक्षिण में झारखण्ड अवस्थित है। गंगा नदी इस राज्य के बीचों-बीच पश्चिम से पूरब की ओर बहती है, जो इसकी प्राकृतिक सुन्दरता को बढ़ाते हुए इसकी भूमि को उपजाऊ बनाती है। आज भी बिहार राज्य प्राचीन और वर्तमान सभ्यता का प्रतिबिम्ब है। बिहार के कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों में नालंदा, राजगीर, बोधगया, पटना, वैशाली, सीतामढ़ी, बक्सर, विक्रमशिला और पावापुरी महत्वपूर्ण हैं।

भोजपुरी, मैथिली एवं अंगिका बिहार की तीन मधुर एवं सुन्दर भाषाएं हैं । यहाँ के लोग साधारण वेशभूषा, यहाँ के लोग साधारण वेशभूषा, उच्च विचार रखने वाले और मेहनती होते हैं। छठ एवं होली यहाँ के प्रमुख त्योहार हैं। यहाँ के लोगों का मुख्य पेशा खेती है। 2011 की जनगणना के अनुसार यहाँ की आबादी में साक्षरता का प्रतिशत 61.80 है, जिसमें पुरुष 71.20 प्रतिशत एवं महिला 51.50 प्रतिशत हैं। बिहार का कुल क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किलोमीटर एवं आबादी 104,099,452 है।

निर्देश

राज्य के मुख्यालय का नाम..... पटना
मुख्यालय का नाम जिले, उप-जिला(अंचल) के..... औरंगाबाद सोनपुर
अन्य नगर का नाम..... जैतिपुर
जिले का नाम..... भा ग ल पु र
इलाका का नाम..... ति र हु त
पर्वत शिखर का नाम..... प्रेतशिला पहाड़ी गुरपा
पर्वत या पर्वतश्रेणी का नाम..... सो मे श्व र रेंज
मुख्यालय: राज्य; जिला.....
मुख्यालय : उप-जिला(अंचल); अन्य नगर.....
सड़क : स्वर्णिम चतुर्भुज.....
पूर्व-पश्चिम गलियारा, सड़क प्रथम श्रेणी (एक्सप्रेस).....
सड़क : द्वितीय श्रेणी (एक्सप्रेस), तृतीय श्रेणी(राजमा).....
रेलमार्ग बड़ी छोटी लाईन स्टेशन सहित, इकहरी लाईन.....
सरिता : सजल, जलप्रवाह.....
झील, नहर.....
सीमा: अन्तर्राष्ट्रीय, राज्य, जिला, उप-जिला(अंचल).....
मंदिर, गिरजाघर, मस्जिद.....
फ़व्वारा,जिला.....
ऊंचाई : त्रिकोणमितीय स्टेशन, सिंधु, फ़ीट..... △ 369 . 1463
हवाई अड्डा : अन्तर्राष्ट्रीय; अन्य.....

कृपया इस मानचित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
विंग प्रभारी
झारखण्ड एवं बिहार भू - स्थानिक अंकन निदेशालय (बिहार विंग)
सातवीं मंजिल (स्वाक 'ए', 'एफ', एवं 'जी')
कार्पेरेट ठाकुर सदन, केन्द्रीय कार्यालय परिसर
आशियाना - दीघा रोड, पटना - 800025 (बिहार)
फैक्स : 0612 - 2565265
ईमेल : bihar.gdc.sol@gov.in

वेबसाइट - www.surveyofindia.gov.in

राष्ट्रीय मानचित्रण संस्था, भारतीय सर्वेक्षण विभाग की लिखित अनुमति के बिना किसी भी माध्यम से पूरे मानचित्र या किसी भाग का पुनरुत्पादन वर्जित है।

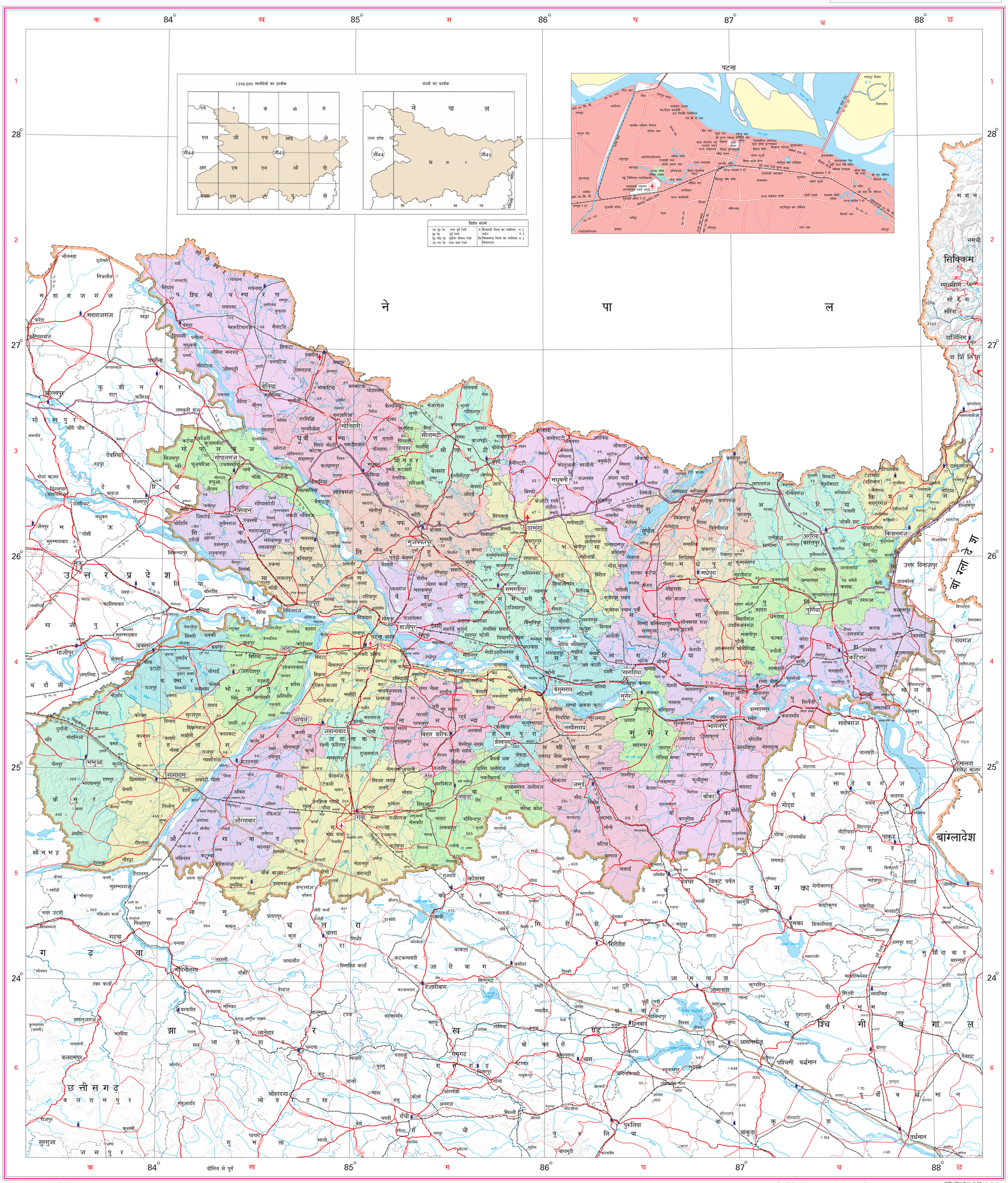

इस मानचित्र का नाम निर्देश इस प्रकार है :	1:750,000
राज्य मानचित्र बिहार	प्रथम संस्करण
INDIA	भारत

रीज़ि नं. 348 भा. भू. वि. भू. का. दे'26 (स्व. एवं वि. भू. निदेशालय(बिहार विंग)-1750,000)-
प्रथम संस्करण 2026
मुद्रित और प्रकाशक भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबडकला एस्टेट, शक वाक्स सं 37, देहरादून-248001 (उत्तराखण्ड), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2026.
प्रकाशन अधिकारी: नितेश कुमार एस. मकवाणा, भा.प्र.से., के निदेशक से प्रकाशित.
प्रदेश : लेमेर्ट अनुरूपी आकार
आधार : डब्लू जी एस 84
भारतीय सर्वेक्षण विभाग की डिटिम प्रेस में मुद्रित।

© भारत सरकार प्रतिलिपिधिकार, 2026.